Classification of Contract (अनुबंध का वर्गीकरण)
Contract को विभिन्न आधारों पर बाँटा जाता है:
1️⃣ On the Basis of Validity (वैधता के आधार पर)
Valid Contract (वैध अनुबंध)
जो सभी आवश्यक शर्तें पूरी करता है (जैसे प्रस्ताव, स्वीकृति, प्रतिफल आदि)।
👉 जैसा कि Indian Contract Act, 1872 में बताया गया है।
Void Contract (शून्य अनुबंध)
जो प्रारम्भ में वैध था लेकिन बाद में अमान्य हो गया।
Void Agreement (अमान्य समझौता)
जो शुरू से ही कानून की नजर में अमान्य है।
Voidable Contract (विकल्पीय अनुबंध)
जो एक पक्ष की इच्छा पर वैध या अमान्य किया जा सकता है।
Illegal Contract (अवैध अनुबंध)
जो कानून के विरुद्ध हो।
2️⃣ On the Basis of Formation (निर्माण के आधार पर)
Express Contract (स्पष्ट अनुबंध)
जो शब्दों (लिखित या मौखिक) में किया गया हो।
Implied Contract (निहित अनुबंध)
जो व्यवहार या परिस्थिति से समझा जाए।
Quasi Contract (आभासी अनुबंध)
जो कानून द्वारा बनाया जाता है, पक्षों की इच्छा से नहीं।
3️⃣ On the Basis of Performance (निष्पादन के आधार पर)
Executed Contract (पूर्ण अनुबंध)
जिसमें दोनों पक्ष अपना कार्य पूरा कर चुके हों।
Executory Contract (अपूरित अनुबंध)
जिसमें कार्य अभी बाकी हो।
Unilateral Contract (एकपक्षीय अनुबंध)
जिसमें एक पक्ष ने अपना कार्य पूरा कर दिया हो।
Bilateral Contract (द्विपक्षीय अनुबंध)
जिसमें दोनों पक्षों को कार्य करना हो।
निष्कर्ष
Contract को वैधता, निर्माण और निष्पादन के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। ये सभी वर्गीकरण व्यवसाय और कानून की पढ़ाई में बहुत महत्वपूर्ण हैं।